

महंगाई से बचने के सूत्र

पैसे बचाने के सूत्र हर कोई तलाशता है । कुछ लोग बचत के फार्मूलों को जानने के लिए अपने परिवार और जान-पहचान के चंद लोगों तक सीमित रहते हैं । इसके अलावा अखबारों, पत्रिकाओं और टीवी चैनल्स पर भी बचत के टिप्स दिए जाते हैं । यहां कुछ ऐसे ही टिप्स पर नजर डालते हैं जो आपकी बचत या कि आर्थिक प्रबंध में मददगार साबित होंगी ।

बजत पर रहें कायम

जब आप अपने दैनिक खर्चों की सूची बनाएंगे तो पता चलेगा कि आप जितनी कमाई करते हैं , खर्च उसके पार जा रहे हैं । तभी आपको एहसास हो जाएगा कि अब खर्चों में कटौती का वक्त आ गया है । जब आपके खर्चों और कमाई में साम्य हो जाएगा तो खरीदारी के वक्त बाज़ार के आकर्षक प्रलोभनों से खुद को बचाएं । जैसे- जैसे आप अपने अनावश्यक दैनिक खर्चों में कटौती करेंगे और बाज़ार के प्रलोभनों से भी खुद को बचाए रखेंगे तो बचत की राहें आसान हो जाएंगी ।

क्रेडिट कार्ड और फिजूलखर्ची

ज्यादातर लोग प्लास्टिक मनी के घेरे से खुद को बचा नहीं पाते । हालांकि क्रेडिट कार्ड तात्कालिक रूप से सुविधा जरूर दे देता है, लेकिन अंततः जब पर भारी ही पड़ता है । इसलिए अगर आपको बचत करनी है तो जहां तक संभव हो भुगतान कैश करें । अगर आप क्रेडिट कार्ड रखते हैं तो उससे जुड़े खर्चों पर भी नज़र रखनी होगी । जैसे कि इससे जुड़ी फीस इत्यादि । अगर आपका गुजारा क्रेडिट कार्ड के बगैर संभव नहीं है तो वो कार्ड रखिए जिसकी सालाना फीस न हों ।

खर्च पर नियंत्रण

क्या रोज दोपहर का खाना आपके पर्स पर भारी पड़ रहा है ? क्या ईंधन का मासिक खर्चा बोझ बनता जा रहा है ? खैर खाना या पेट्रोल-डीजल ही नहीं मोबाइल का बिल, पत्र-पत्रिकाओं का बिल और ऐसे ही दूसरे खर्च क्या आपको सताने लगे हैं? ऐसे में दोपहर का भोजन घर से ले जाना शुरू कर दीजिए । ईंधन बचत के भी उपाय हैं । जैसे अगर आप कार से आते-जाते हैं तो पूलिंग सिस्टम बना लें ।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट का विकल्प चुन लें । फिन बिल ज्यादा आ रहा है तो सबसे पहले अपना प्लान चेक करें कि वह आपकी जरूरत के मुताबिक है कि नहीं ।

बचत के लिए खुद पर डालें दबाव

किसी ऐसे सिस्टैमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान को चुन लीजिए या फिर कोई ऐसा मासिक निवेश का विकल्प चुनें जिसकी किस्त आपके बैंक अकाउंट से महीने की पहली तारीख को सीधी कट जाए । ऐसा करने पर आप बचत के लिए बाध्य हो जाएंगे और मजबूरी में ही सही आपको अपने खर्च कम करने पड़ेंगे । लेकिन यह फैसला आपको ही करना होगा कि किस खर्च को आप जैर-जरूरी मानते हैं ।